

This Question Paper consists of 16 questions and 12 printed pages.
इस प्रश्न-पत्र में 16 प्रश्न तथा 12 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

अनुक्रमांक

Code No. 68/S/O
कोड संख्या

Set / सेट -

A

HINDUSTANI MUSIC
हिंदुस्तानी संगीत
(242)

Day and Date of Examination
(परीक्षा का दिन व दिनांक)

Signature of Invigilators
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

1. _____
2. _____

General Instructions :

- 1 Candidate must write his/her Roll Number on the first page of the Question Paper.
- 2 Please check the Question Paper to verify that the total pages and the total number of questions contained in the Question Paper are the same as those printed on the top of the first page. Also check to see that the questions are in sequential order.
- 3 For the objective type questions, you have to choose any **one** of the four alternatives given in the question, i.e. (A), (B), (C) and (D) and indicate your correct answer in the Answer-Book given to you.
- 4 Making any identification mark in the Answer-Book or writing Roll Number anywhere other than the specified places will lead to disqualification of the candidate.
- 5 (a) The Question Paper is Bilingual i.e., English and Hindi. However, if you wish, you can answer in any one of the languages listed below :
English, Hindi, Urdu, Punjabi, Bengali, Tamil, Malayalam, Kannada, Telugu, Marathi, Oriya, Gujarati, Konkani, Manipuri, Assamese, Nepali, Kashmiri, Sanskrit and Sindhi.
You are required to indicate the language you have chosen to answer in the box provided in the Answer-Book.
(b) If you choose to write the answer in the language other than Hindi and English, the responsibility for any errors/mistakes in understanding the question will be yours only.
- 6 Candidate will not be allowed to take Calculator, Mobile Phone, Bluetooth, Earphone or any such electronic devices in the Examination Hall.
- 7 In case of any doubt or confusion in the question paper, the English version will prevail.
- 8 Write your Question Paper Code No. **68/S/O, Set - A** on the Answer-Book.

सामान्य अनुदेश :

- 1 परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
- 2 कृपया प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की संख्या उतनी ही है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
- 3 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) और (D) में से कोई एक उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर-पुस्तिका में उस सही उत्तर को लिखिए।
- 4 उत्तर-पुस्तिका में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।
- 5 (क) यह प्रश्न-पत्र दो भाषाओं में है अर्थात् अंग्रेजी एवं हिंदी। फिर भी, यदि आप चाहें तो नीचे दी गई किसी एक भाषा में उत्तर दे सकते हैं :
अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, पंजाबी, बंगला, तमिल, मलयालम, कन्नड़, तेलुगु, मराठी, उड़िया, गुजराती, कोंकणी, मणिपुरी, असमिया, नेपाली, कश्मीरी, संस्कृत और सिंधी।
कृपया उत्तर-पुस्तिका में दिए गए बॉक्स में लिखें कि आप किस भाषा में उत्तर लिख रहे हैं।
(ख) यदि आप हिंदी एवं अंग्रेजी के अतिरिक्त किसी अन्य भाषा में उत्तर लिखते हैं, तो प्रश्नों को समझने में होने वाली त्रुटियों / गलतियों की जिम्मेदारी केवल आपकी होगी।
- 6 परीक्षार्थी को परीक्षा हॉल में कैल्कुलेटर, मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, इयरफोन जैसे किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को ले जाने की अनुमति नहीं है।
- 7 प्रश्न-पत्र में किसी भी प्रकार के संदेह अथवा दुविधा की स्थिति में अंग्रेजी अनुवाद ही मान्य होगा।
- 8 अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्नपत्र का कोड नं. **68/S/O, सेट – A** लिखें।

NOTE / निर्देश :

- (1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.

सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

- (2) 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 02.15 p.m. From 02.15 p.m. to 02.30 p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में 02.15 बजे किया जाएगा। 02.15 बजे से 02.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

HINDUSTANI MUSIC

हिंदुस्तानी संगीत

(242)

Time : 1½ Hours]

[Maximum Marks : 40

समय : 1½ घण्टे]

[पूर्णांक : 40

Note :

- (i) This question paper consists of **16** questions in all.
- (ii) **All** questions are **compulsory**.
- (iii) Marks are given against each question.
- (iv) **Section - A** consists of Multiple Choice Type Questions

Q. No. 1 to 8 - Multiple Choice Type Questions (MCQs) carrying **1** mark each. Select and write the most appropriate option out of the four options given in each of these questions.

- (v) **Section - B** consists of Objective type questions:

Q. No. 9 - Read the passage carefully then Fill in the blanks (4 sub-questions) carrying **1** mark each.

Q. No. 10 - Read the passage carefully then true and false (4 sub-questions) carrying **1** mark each.

Q. No. 11 - Read the passage carefully then write in one word answer (4 sub-questions) carrying **1** mark each.

- (vi) **Section - C** consists of Subjective type questions:

Q. No. 12 and 13 - Short Answer type questions carrying **3** marks each to be answered in the range of **60 to 70** words.

Q. No. 14 - Long Answer type questions carrying **4** marks to be answered in the range of **80 to 90** words.

Q. No. 15 and 16 - Long Answer the questions carrying **5** marks each to be answered in the range of **100 to 120** words.

An internal choice has been provided in the Section-C.

निर्देश :

- (i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं।
- (ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- (iii) प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक दिए गए हैं।
- (iv) खण्ड—अ बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं।

प्र. सं. 1 से 8 - प्रत्येक बहुविकल्पीय प्रश्न 1 अंक का है। इन सभी प्रश्नों में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन करें एवं लिखें।

- (v) खण्ड—ब में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं।

प्र. सं. 9 - गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़कर रिक्त स्थान भरिए (4 उप-प्रश्न) प्रत्येक 1 अंक का।

प्र. सं. 10 - गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़कर सही एवं गलत लिखिए (4 उप-प्रश्न) प्रत्येक 1 अंक का।

प्र. सं. 11 - गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़कर एक शब्द में उत्तर दें (4 उप-प्रश्न) प्रत्येक 1 अंक का।

- (vi) खण्ड—स वर्णनात्मक प्रकार के प्रश्न हैं।

प्र. सं. 12 एवं 13 - लघु उत्तर वाले प्रत्येक 3 अंक के प्रश्न। उत्तर शब्द सीमा 60 से 70 शब्द।

प्र. सं. 14 - दीर्घ उत्तर वाला 4 अंक का प्रश्न। उत्तर शब्द सीमा 80 से 90 शब्द।

प्र. सं. 15 एवं 16 - दीर्घ उत्तर वाले प्रत्येक 5 अंक के प्रश्न। उत्तर शब्द सीमा 100 से 120 शब्द।

खण्ड—स में आंतरिक पसंद दी गयी है।

SECTION - A

खण्ड – अ

8×1=8

1 For the first time Raga was discussed in the Granth :

1

- (A) Sangeet Ratnakar
- (B) Brihaddeshi
- (C) Sangeet Parijat
- (D) Natya Shastra

सर्वप्रथम राग की चर्चा किस ग्रन्थ में हुई थी ?

- (A) संगीत रत्नाकर
- (B) बृहद्देशी
- (C) संगीत पारिजात
- (D) नाट्य शास्त्र

2 The main three Jatis of Ragas when permuted and combined give rise to :

1

- (A) 6 Jatis
- (B) 8 Jatis
- (C) 5 Jatis
- (D) 9 Jatis

रागों की तीन जातियाँ जब परिवर्तित एवं संयुक्त की जाती हैं, तो उदित होती हैं :

- (A) 6 जाति
- (B) 8 जाति
- (C) 5 जाति
- (D) 9 जाति

3 Thata is a musical scale with the notes arranged in :

1

- (A) 7 Shuddha Swaras in ascending order
- (B) 7 Shuddha Swaras in descending order
- (C) 7 Shuddha and Vikrit Swaras in ascending order
- (D) 7 Shuddha and Vikrit Swaras in descending order

थाट एक सांगीतिक पैमाना (scale) है जिसमें स्वर व्यवस्था का क्रम होता है :

- (A) आरोहात्मक रूप में सात शुद्ध स्वर
- (B) अवरोहात्मक रूप में सात शुद्ध स्वर
- (C) सात शुद्ध व विकृत स्वर आरोहात्मक क्रम में
- (D) सात शुद्ध व विकृत स्वर अवरोहात्मक क्रम में

- 4 Vivadi Swara is : 1
- (A) Used frequently to beautify the raga
(B) Used frequently to clarify the Rasa of a raga
(C) Used rarely to enhance the beauty of a raga
(D) Used rarely to have a relationship with Samvadi
- विवादी स्वर है :
- (A) राग सौन्दर्य के लिए बारम्बार प्रयुक्त स्वर
(B) राग के रस की स्पष्टता के लिए बारम्बार प्रयुक्त स्वर
(C) राग के सौन्दर्यवर्धन के लिए कभी-कभी प्रयुक्त स्वर
(D) सम्वादी स्वर से सम्बन्धित होने के लिए कभी-कभी प्रयुक्त स्वर
- 5 Bani of Dhrupad initiated by Miyan Tansen is : 1
- (A) Khandar Bani
(B) Nauhar Bani
(C) Dagar Bani
(D) Govarhar Bani
- मियाँ तानसेन द्वारा प्रारम्भ की गई ध्रुपद की बानी :
- (A) खंडार बानी
(B) नौहार बानी
(C) डागर बानी
(D) गोवरहार या गौड़हार बानी
- 6 Name the term used for singing with the usage of two notes in Vedic terminology. 1
- (A) Sama Gana
(B) Archik Gana
(C) Samik Gana
(D) Gathik Gana
- वैदिक वाङ्मय में दो स्वरों से युक्त गायन के लिए प्रयोग होने वाली संज्ञा का नाम लिखें।
- (A) साम गान
(B) आर्चिक गान
(C) सामिक गान
(D) गाथिक गान

7 From the music point of view the foremost veda was :

1

- (A) Yajur veda
- (B) Sama veda
- (C) Atharva veda
- (D) Rig veda

संगीत की दृष्टि से अग्रिम वेद था :

- (A) यजुर्वेद
- (B) सामवेद
- (C) अथर्ववेद
- (D) ऋग्वेद

8 The music institution established by Pt. V.D. Paluskar was :

1

- (A) Madhav Sangeet Vidyalaya
- (B) Maris College of Music
- (C) Arya Sangeet Vidyalay
- (D) Gandharva Maha Vidhyalay

पं. वि. दि. पलुस्कर द्वारा स्थापित संगीत संस्था थी :

- (A) माधव संगीत विद्यालय
- (B) मैरिस कॉलिज ऑफ म्यूजिक
- (C) आर्य संगीत विद्यालय
- (D) गान्धर्व महाविद्यालय

SECTION - B

खण्ड – ब

12×1=12

9 Read the passage carefully and fill in the blanks.

"There are four parts of Gana Sanhita – Gramageya Gana, Aranyageya Gana, Uha Gana and Uhya Gana. In Gramageya Gana, easier meterbound Sanskrit language was used instead of difficult vedic use. Aranyageya Gana was meant to be sung in wilderness. Uha and Uhya Gana both were considered as secret forms that could only be sung by one who could decipher the meaning of Upanishads. Thus Archik consisted of literary aspect and Gana consisted of the melodic aspect of Sama. For the purpose of singing in Yajnas, same Gana has been divided into five or seven bhaktis. Five bhaktis are (1) Prastava (2) Udgeeth (3) Pratihara (4) Upadrav (5) Nidhan. Two other bhaktis are used in some samas, they are Hinkar and Pranav."

- (A) The four parts of Ganasanhita are Gramageya Gana, _____, _____ and _____. 1
- (B) Uha and Uhya Gana both were considered as _____. 1
- (C) In Gramageya Gana the language used was easy meter bound _____. 1
- (D) Archik consisted of the _____ of Sama Gana. 1

OR

(D) Apart from 5 bhaktis two other bhaktis of Sama Gana were _____ and _____.

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और रिक्त स्थान भरिए:

“गान संहिता के चार भाग हैं : ग्रामगेय गान, अरण्यगेय गान, ऊह गान तथा ऊह्य गान। ग्रामगेय गान में कठिन वैदिक प्रयोग की अपेक्षा सरल छन्दों से युक्त संस्कृत भाषा का प्रयोग किया जाता था। अरण्यगेय गान का प्रयोग जंगली स्थान में किया जाता था। ऊह तथा ऊह्य गान दोनों को रहस्य गान माना जाता था जिसका गान केवल वही कर सकते थे जो उपनिषदों के अर्थ को जानने में समर्थ थे। इस प्रकार आर्चिक साहित्य पक्ष से युक्त था और गान साम के गयात्मक सौंदर्य से युक्त था। यज्ञों में गाने के लिए साम गान को पाँच या सात भक्तियों में भी विभाजित किया गया था : (1) प्रस्ताव (2) उद्गीथ (3) प्रतिहार (4) उपद्रव (5) निधन। दो अन्य भक्तियों का प्रयोग भी कुछ सामों में किया जाता था, वह हैं हिकार तथा प्रणव।”

- (A) गान संहिता के चार भाग हैं, ग्रामगेय गान, _____, _____ तथा _____. 1
- (B) ऊह तथा ऊह्य गान दोनों को _____ माना जाता है। 1
- (C) ग्रामगेय गान में प्रयुक्त भाषा सरल छन्दों से युक्त _____ थी। 1
- (D) आर्चिक में साम गान का _____ समन्वित था। 1

अथवा

(D) 5 भक्तियों के अतिरिक्त साम गान की दो अन्य भक्तियाँ _____ और _____ थी।

10 Read the passage carefully and mark the questions as True / False.

"In the beginning only three swaras were used for Sama Gana viz – Udatta, Anudatta and Swarit. Udatta denoted high, Anudatta low and Swarit was medium in which there was a combination of high and low. To indicate these three swaras, the number 1, 2 and 3 were used for Udatta, Anudatta and Swarit respectively above syllables of mantras. The usage of Udatta, Anudatta and Swarit Swaras gave rise to threefold structure of Sama Gana – Archik Gana, Gathik Gana and Samik Gana. When only one note was used, it constituted Archik, when two notes were used it constituted Gathik and when three notes were used it constituted Samik. According to "Taittiriya Pratishakhya" slowly from these three notes seven Sama vedic swaras were developed."

- (A) In Swarit there was a combination of high and low. (True / False) 1
- (B) The number 2 was used for Udatta Swara. (True/False) 1
- (C) When only one note was used, it constituted Gathik. (True/False) 1
- (D) From the three vedic swaras, seven Sama vedic swaras were developed. (True / False) 1

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्नों में सत्य/असत्य पर चिह्न लगाइए :

“प्रारम्भ में साम गान में केवल तीन स्वरों का प्रयोग था – उदात्त, अनुदात्त तथा स्वरित। उदात्त से तात्पर्य उच्च, अनुदात्त से तात्पर्य नीचा तथा स्वरित में ऊँचे व नीचे स्वरों का समन्वय होने से वह मध्यम था। इन तीन स्वरों को चिह्नित करने के लिए 1, 2 व 3 संख्याओं का प्रयोग करते हुए मन्त्रों के अक्षरों के उपर उदात्त, अनुदात्त व स्वरित के लिए क्रमशः इन संख्याओं का प्रयोग किया गया। उदात्त, अनुदात्त व स्वरित स्वरों के प्रयोग ने साम गान की त्रिमुखी रूपरेखा को उदित किया – आर्चिक गान, गाथिक गान तथा सामिक गान। जब एक स्वर का प्रयोग किया जाता था, तो वह आर्चिक गान बनता था, जिसमें दो स्वरों का प्रयोग किया जाता था तो वह गाथिक और जब तीन स्वरों का प्रयोग किया जाता था तो वह सामिक बन जाता था। “तैत्तिरीय प्रतिशाख्य” के अनुसार धीरे धीरे इन तीन स्वरों से साम वैदिक सात स्वरों का विकास हो गया।”

- (A) स्वरित में ऊँची व नीची ध्वनि का समन्वय था। (सत्य/असत्य)
- (B) संख्या 2 का प्रयोग उदात्त स्वर के लिए किया जाता था। (सत्य/असत्य)
- (C) जब केवल एक स्वर का प्रयोग किया जाता था, तो गाथिक की रचना होती थी। (सत्य/असत्य)
- (D) तीन वैदिक स्वरों से सात साम वैदिक स्वरों का विकास हुआ। (सत्य/असत्य)

11 Read the passage and answer the following questions :

Which music lover does not know the name of Sangeet Samrat Tansen ? There is some controversy regarding the date of birth of Tansen. According to some musicologists, Tansen was born in 1506 in a small village called Behat situated twenty eight miles away from Gwalior. According to Abul Fazal, the writer of 'Akbarnama' and 'Ain-e-Akbari', Tansen died on April 26, 1589 in Agra. Hence, Tansen died at the age of about 83 years. It is said that the name of Tansen's father was Makrand Pande. He was a Hindu. He named his son as Tanna Mishra, Trilochan, Tannu or Ram Tanu. Tansen received his elementary education from his father, Makrand Pande. Since childhood itself, Tansen had an interest in music. It is believed that Tansen learned music from the famous saint singer of that time, Swami Haridasji of Vrindavan.

- (A) Who was the music teacher of Tansen? 1
(B) What was the real name of Tansen? 1
(C) From whom did Tansen receive his elementary education? 1
(D) Since childhood, Tansen had an interest in which field? 1

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

शायद ही कोई ऐसा संगीत प्रेमी होगा जो संगीत सम्राट तानसेन के नाम से परिचित न हो। तानसेन की जन्मतिथि के विषय में मतभेद हैं। कुछ विद्वानों के मतानुसार ग्वालियर के अट्ठाईस मील दूर बेहट नामक एक छोटे से गांव में तानसेन का जन्म 1506 ई. में हुआ था। 'अकबरनामा' और 'आईने अकबरी' के रचयिता अबुल फ़ज़ल के अनुसार तानसेन की मृत्यु 26 अप्रैल, सन् 1589 ई. को आगरा में हुई थी। इस प्रकार तानसेन की मृत्यु 83 वर्ष की आयु में हुई। ऐसा कहा जाता है कि तानसेन के पिता का नाम मकरंद पांडे था। वे हिन्दू थे। पुत्र पैदा होने पर उनका नाम तन्ना मिश्र, त्रिलोचन, तन्नू या राम तनु रखा गया।

तानसेन की प्रारम्भिक शिक्षा उनके पिता मकरंद पांडे द्वारा ही हुई थी। बचपन से ही तानसेन की संगीत में रुचि थी। तानसेन के विषय में मान्यता है कि उन्होंने वृन्दावन के तत्कालीन प्रसिद्ध संत गायक स्वामी हरिदासजी से संगीत शिक्षा प्राप्त की।

- (A) तानसेन का संगीत गुरु कौन था ?
(B) तानसेन का वास्तविक नाम क्या था ?
(C) तानसेन की प्रारम्भिक शिक्षा किनके द्वारा हुई थी ?
(D) बचपन से तानसेन की किस विषय में रुचि थी ?

- 12 Write the name of the father of Sadarang and the emperor in whose region Sadarang was born. Also mention his relationship with Adarang. 3

सदारंग के पिता का नाम तथा उस शासक का नाम लिखिए जिनके शासनकाल में सदारंग का जन्म हुआ था। अदारंग के साथ उनका संबंध भी लिखिए।

OR / अथवा

Write the names of any two works of Pt. V.N. Bhatkhande and two works of Pt. V.D. Paluskar. Also write the name of a music institution established by each.

पं. वि.ना. भातखंडे द्वारा लिखित किन्हीं दो ग्रंथों तथा पं. वि.दि. पलुस्कर द्वारा लिखित किन्हीं दो ग्रंथों के नाम लिखिए। प्रत्येक के द्वारा स्थापित एक संगीत संस्था का नाम भी लिखिए।

- 13 Name two kings who were great patrons of Dhrupad and Dhamar. Compare Dhrupad and Dhamar on the basis of their compositions. 3

दो राजाओं का नाम बताइये जो ध्रुपद और धमार के महान आश्रयदाता थे। उनकी बंदिश के आधार पर ध्रुपद और धमार की तुलना कीजिए।

- 14 Write a detailed note on the Vadyatalakand of Sangeet Parijat. 4

संगीत पारिजात के वाद्यतालकाण्ड का विस्तृत वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

Describe the stringed and percussion (leather) instruments prevalent during the Vedic Period.

वैदिक काल में प्रचलित तन्त्री वाद्यों तथा अवनद्य (चर्म) वाद्यों का वर्णन कीजिए।

- 15** In Sangeet Parijat which example is given to define the inter-relationship of Shruti and Swara ? Give reason also. **5**

संगीत पारिजात में श्रुति व स्वर के अन्तःसंबंध को परिभाषित करने के लिए कौन सा उदाहरण दिया गया है ? उसका कारण भी लिखिए।

OR / अथवा

Write the names of any two Ragas created by Miyan Tansen along with the names of his father and Guru.

मियां तानसेन द्वारा निर्मित किन्हीं दो रागों के नाम लिखिए। उनके पिता व गुरु का नाम भी लिखिए।

- 16** Write a note on the characteristics of singing Dhrupad, its four Banis and their initiators. **5**

ध्रुपद गायन की विशेषताओं, चार बानियों तथा उनके प्रणेताओं पर एक टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Explain the nine Jatis of Ragas along with their definitions.

राग की नौ जातियों का वर्णन उनकी परिभाषाओं सहित कीजिए।

